दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, गुरुवार 29 जुलाई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 299

महत्वपूर्ण एवं खास

चंद्रयान-3 के 2022 की तीसरी तिमाही के दौरान लॉन्च होने की संभावना : डॉ. जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार); पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिहं ने कहा कि अब सामान्य कार्य आरंभ होने को देखते हुए चंद्रयान-3 के 2022 की तीसरी तिमाही में लॉन्च होने की संभावना है। आज लोकसभा में एक प्रश्नकाल का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 पर कार्य प्रगति पर है। चंद्रयान-3 के कार्य में आकृति को अंतिम रूप दिया जाना, उप-प्रणालियों का निर्माण, समेकन, अंतरिक्ष यान स्तरीय विस्तृत परीक्षण और पृथ्वी पर प्रणाली के निष्पादन के मूल्यांकन के लिए कई विशेष परीक्षण जैसी विभिन्न प्रक्रियाएं शामिल हैं। कार्य की प्रक्रिया कोविड-19 महामारी के कारण बाधित हो गई थी। बहरहाल, लॉकडाउन अवधि के दौरान भी वर्क फ्रॉम होम मोड में सभी कार्य किए गए। अनलॉक अवधि आरंभ होने के बाद चंद्रयान-3 पर कार्य फिर से आरंभ हो गया और अब यह कार्य संपन्न होने के अग्रिम चरण में है।

भारी बारिश ने मचाई तबाही, नाले में आई बाढ़, एक दर्जन से ज्यादा लोग लापता, सैंकड़ों सड़कें बंद

शिमला (आरएनएस)। कई जिलों में मौसम विभाग के रेड अलर्ट के बीच मंगलवार रात से हो रही भारी बारिश हिमाचल में कहर बनकर बरस रही है। यहां भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। प्रदेश भर में 13 लोग लापता हो गए हैं। लाहौल स्पीति के तोजिंग नाले में आई बाढ़ से 10 लोग लापता हो गए हैं। कुल्लू जिला में 25 वर्षीय महिला अपने चार वर्षीय बच्चे के साथ पार्वती नदी में बह गई है। इसके अलावा कुल्लू में दिल्ली की एक पर्यटक महिला भी लापता हुई है। किन्नौर में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। शिमला-कालका नेशनल हाइवे जगह-जगह भूस्खलन से बंद हो गया है। इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। हमीरपुर की पटेरा पंचायत के पास सड़क पर बस पलट गई हालांकि सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। मंगलवार रात से बुधवार सुबह आठ बजे तक प्रदेश में सबसे अधिक बारिश धर्मशाला में 101 मिलीमीटर रिकार्ड हुई। राजधानी शिमला में भी कई जगह भूस्खलन होने से गाडियां दब गई हैं। प्रदेश भर में सैकड़ों सड़क मार्गों पर वाहनों की आवाजाही ठप पड़ गई है।

पाक में हुआ सड़क हादसा, चार की मौत, 11 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में बुधवार को एक यात्री बस के पलट जाने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी तथा 11 अन्य घायल हो गए। पंजाब के लाय्याह जिले के बाहरी इलाके में स्थित जुमन शाह गांव के पास यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस चालक एक रिक्शे को बचने के प्रयास कर रहा था कि बस पलट गई। बचाव दलों ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया। बस पंजाब के मुल्तान शहर से रावलपींडी शहर की ओर जा रही थी।

बांग्लादेश में बाढ़, भूस्खलन में 6 रोहिंग्या शरणार्थियों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में बिना रुके भारी बारिश के दौरान यहां के कॉक्स बाजार स्थित शिविरों में तीन बच्चों सहित पांच रोहिंग्या शरणार्थियों की भूस्खलन में मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जबकि उखिया के पलोंगखली में बाढ़ के कारण एक बच्चा डूब गया, जबकि तीन बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कुटुपलोंग कैंप 5 में रोहिंग्या बस्तियां, टेकनाफ में बलूखली कैंप 1, कैंप 26, जामटोली कैंप, हकीमपारा कैंप 24, कैंप 27 और मधुछारा कैंप सोमवार सुबह से जलमग्न हो गए हैं, जिससे कई शरणार्थी प्रभावित हुए हैं। 18वीं सशस्त्र पुलिस बटालियन के कमांडर तारिकुल इस्लाम ने आईएएनएस को बताया कि भूस्खलन में मरने वालों की पहचान बालूखाली कैंप 10 के शाह आलम की पत्नी 42 वर्षीय दिल बहार, 9 वर्षीय शफीउल आलम 9 वर्षीय, मोहम्मद युसूफ की पत्नी 25 वर्षीय गुल बहार, ढाई माह का बच्चा अब्दुर रहमान और एक साल की बेटी आयशा सिद्दीकी के रूप में हुई है।

भीषण सड़क हादसे मे 18 मजदूरो की मौत

बाराबंकी (आरएनएस)। एक्सल टूटने से सड़क किनारे खड़ी डबल डेकर बस को बीती रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि जहां ट्रक के परखच्चे उड़ गए वहीं बस के नीचे दबकर 18 मजदूरो की मौके पर ही दर्दनांक मौत हो गई तथा 30 से अधिक मजदूर बुरी तरह से जख्मी हो गए । अयोध्या हाईवे पर रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र में हुए इस भीषण सड़क हादसे के बाद चीख पुकार मच गई सूचना पर जिला प्रशासन व पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए और शव को निकालने के साथ ही घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां से गंभीर हालत के चलते 9 मजदूरों को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है जहा उनकी भी हालत चिंताजनक बनी हुई है राष्ट्रपति प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर घटना पर दुख जताया है वही मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने घायलों के त्वरित इलाज के निर्देश देते हुए घटना में हताहत हुए लोगों को मुआवजा देने की घोषणा की है जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने भी जिला अस्पताल का दौरा कर जायजा लिया और मातहतो को आवश्यक निर्देश दिए हैं वही डाक्टरों के पैनल से मृतको का पोस्टमार्टम कराया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार प्रांत के रहने वाले लगभग सवा सौ मजदूर काम करने के लिए हरियाणा गए हुए थे । कार्य समाप्त होने के बाद मंगलवार को सभी डबल डेकर वोल्वो बस संख्या यूपी 22 टी 7918 बुक कराकर वापस घर लौट रहे थे । बीती रात करीब 12 बजे लखनऊ अयोध्या हाईवे पर सभी मजदूर तब सड़क हादसे का शिकार हो गए जब उनकी वोल्वो बस का रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र के कल्याणी नदी पुल के पास अचानक एक्सल टूट गया । तब सवार मजदूर बस ठीक होने तक नीचे उतर कर सड़क पर आराम करने लगे । कोई लेटा था तो कोई बैठा तो कोई इधर उधर टहलने लगा और बस ठीक होने का इंतजार कर रहा था कि अचानक लखनऊ की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक संख्या एनएल 01 क्यू 8280 की वोल्वो से भीषण टक्कर हो गई । टक्कर इतनी भीषण थी कि बस 25 फिट आगे तक घिसटती चली गयी तब आराम कर रहे मजदूर उसके नीचे दबकर मौत के गाल मे समा गये । हादसे के बाद घटना स्थल पर चीख पुकार मच गयी । इस बीच सूचना पर पहुची पुलिस ने कडी मशक्कत कर बस के नीचे दबे मजदूरो को बाहर निकलवा कर जिला अस्पताल पहुंचाया।

मानक के विपरीत यात्रियो को बैठाने के चलते हुआ हादसा- बस का एक्सल टूटने के पीछे कोई और कारण नही था वल्कि उसमे मानक से ज्यादा सवारियां भरने के कारण टूटा था इसका खुलासा तब हो गया जब पोस्टमार्टम करने आये एक वस यात्री ने बताया कि जब मजदूरो को लेकर बस आ रही थी तब रास्ते मे एक और बस के यात्रियो को उसमे शिफ्ट कर दिया गया जिससे न केवल रास्ते भर कठिनाइयां उठानी पडी बल्कि बीच रास्ते मे ही बस का एक्सल टूट गया । किराये के सवाल पर बताया कि बस चालक ने गम्तव्य तक पहुचाने के लिये प्रति यात्री 16 सौ रूपये लिये थे लेकिन जब अन्य बस के यात्रियो उसी बस मे भरा जाने लगा तब पहले से बस मे सवार यात्रियो ने इसका विरोध भी किया लेकिन चालक ने यात्रियो की एक भी नही सुनी जिसके बाद यह हादसा हो गया । बस मे करीब 125 यात्री सवार थे ।

पूरे वक्त सक्रिय रही पुलिस- हादसा होने के बाद से पोस्टमार्टम कराने तक पुलिस काफी सक्रिय दिखी । पुलिस अधीक्षक यमुना प्रसाद जहा स्वय इसकी मानीटरिंग मे लगे रहे बही पांच थानो की पुलिस को भी तैनात कर दिया जो मुस्तैदी से कार्य करते देखे गये जिसके चलते ही सभी मृतको का समय से पोस्टमार्टम सम्पन कराया जा सका ।

देश में फिर बढ़े कोरोना के मरीज, 24 घंटे में 43 हजार से ज्यादा नए मामले, 640 मौतें

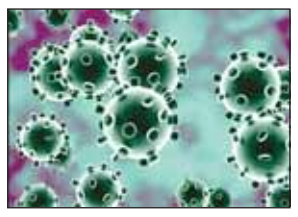

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। किसी दिन मामले कम हो रहे हैं तो किसी दिन अचानक केस बढ़ जाते हैं। बीते 24 घंटे में 43 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। वहीं 640 लोगों ने जवान गंवाई है। इनमें से आधे से ज्यादा केस सिर्फ एक राज्य केरल से हैं। केरल में एक दिन में 20 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। एक दिन पहले मंगलवार को तीस हजार से कम मामले सामने आए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान देश में कुल 43 हजार 654 नए मामले दर्ज किए गए, जबकि 640 लोगों की मौत हो गई। वहीं 41, 678 लोग स्वस्थ्य हुए हैं।

रिकवरी रेट 97.39 फीसदी- देश में अब कुल संक्रमितों की संख्या 3,99,436 हो चुकी है, जिनमें 3,06,63,147 मरीज ठीक हो गए। वहीं कुल मौत का आंकड़ा 4,22,022 पहुंच चुका है। राहत की बात यह है कि देश में अब तक 44,61,56,659 लोगों को कोरोना वैक्सीन लग चुकी है। देश में कोरोना से ठीक होने वालों की दर फिलहाल 97.39 फीसदी पर है। वहीं, दैनिक संक्रमण दर 5 फीसदी से नीचे है।

बारिश के चलते बदरी-केदार हाईवे पर रहा यातायात बाधित

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। बीती रात से हो रही बारिश के चलते जिले में कई जगहों पर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद रहा जबकि आधा दर्जन से अधिक ब्रांच सड़कों पर मलबा आने से यातायात बाधित रहा। बारिश ने ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही शहरी कस्बों में भी जन जीवन प्रभावित कर दिया है। हाईवे पर दोपहर बाद आवाजाही हो सकी। बुधवार को सुबह से ही जारी बारिश के चलते ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे सिरोबगड़, नरकोटा और घोलतीर में बंद रहा। इसके साथ ही कई जगहों पर मलबा आने से आवाजाही में परेशानी हुई। वहीं केदारनाथ हाईवे सौड़ी, बांसवाड़ा, रामपुर और सोनप्रयाग के बीच कई जगहों पर बाधित रहा। प्रशासन के निर्देशों पर एनएच द्वारा दोनों हाईवे पर मलबा हटाने के लिए तेजी से कार्य किए। दोपहर एक बजे तक बदरीनाथ हाईवे को सिरोबगड़ में आवाजाही के लिए सुचारु किया गया जबकि केदारनाथ हाईवे पर भी मलबा हटाते हुए दोपहर तक वाहनों का संचालन शुरू हुआ। इस बीच बारिश के चलते बार-बार वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इधर, प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने से जिले में सब्जी, दूध, समाचार पत्र सहित कई आवश्यक सेवाओं की लोगों को दोपहर बाद ही आपूर्ति हो सकी। बारिश से जिले में आधा दर्जन ब्रांच सड़कों पर भी मलबा आने से ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिलाधिकारी मनुज गोयल ने बताया कि बारिश से बंद होने वाली सड़कों को यथाशीघ्र खोलने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं जबकि आपदा प्रबंधन और सभी तहसीलों में उप जिलाधिकारियों को भी बरसात के चलते सर्तक रहने को कहा गया है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटा, 4 की मौत व 40 लोग लापता

होंजर गांव में बादल फट गया।

नई दिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक गांव में बादल फट गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई है और कम से कम 30-40 लोगों के लापता होने की खबर है। दरअसल, जम्मू क्षेत्र के किश्तवाड़ जिले के होंजर गांव में बुधवार तड़के बादल फट गया, जिसके बाद आई इस आफत में कम से कम चार शव बरामद किए गए और कई के लापता होने की खबर है। फिलहाल, रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और बचाव कार्य जारी है। इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी। पुलिस कंट्रोल रूम के एक अधिकारी ने कहा कि आज यानी बुधवार तड़के करीब 4 बजे किश्तवाड़ जिले के दच्चन क्षेत्र के होंजर गांव में बादल फट गया। हमें रिपोर्ट मिल रही है कि 30-40 लोग लापता हैं। तलाश और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। अभी हमारे पास सटीक विवरण नहीं है। इलाके में कोई मोबाइल फोन कनेक्टिविटी नहीं है।

किश्तवाड़ जिले के पुलिस प्रमुख एसएसपी शफकत भट ने कहा कि हमने मलबे से अब तक चार शव बरामद किए हैं। हमारा मानना है कि जिस वक्त यह घटना हुई उस वक्त गांव में 30 से 40 लोग थे। बता दें कि किश्तवाड़ शहर जम्मू से लगभग 200 किमी दूर है और दच्चन किश्तवाड़ जिले में एक दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्र है।

जम्मू में बीते कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है। जुलाई माह के अंत तक और अधिक बारिश होने का अनुमान है जिसके चलते किश्तवार के अधिकारियों ने जलाशयों के निकट रहने वाले और फिसलन वाले क्षेत्रों के लोगों से सतर्क रहने को कहा है। जिला प्रशासन ने मंगलवार रात को जारी एक परामर्श में कहा कि मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आने वाले दिनों में भारी बारिश हो सकती है जिससे नदियों और नालों में जल स्तर बढ़ सकता है और उनके निकट रहने वाले लोगों के लिए खतरा हो सकता है। उधर, हिमाचल प्रदेश में बादल फटने के बाद मूसलाधार बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है और 10 लोग लापता हैं। आपदा प्रबंधन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्य आपदा प्रबंधन निदेशक सुदेश कुमार मोख्ता ने बताया कि लाहौल-स्पीति में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में एक व्यक्ति की मौत हो गई और नौ लोग लापता हो गए, जबकि चम्बा जिले से एक अन्य व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली है।

अमरनाथ गुफा के पास फटा बादल , कोई हताहत नहीं

जम्मू (आरएनएस)। पहाड़ी राज्यों में बदले मौसम के मिजाज के बीच आज अमरनाथ में बादल फट गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस घटना में बीएसएफ और सीआरपीएफ के कैंप को नुकसान हुआ है। हालांकि किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त बादल फटा उस समय कोई भी श्रद्धालु गुफा के अंदर मौजूद नहीं था। बादल फटने के साथ अचानक सिंध नदी का जलस्तर बढ़ गया। बादल फटने के बाद एनडीआरएफ की एक और टीम को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। हालांकि वहां पर पहले से ही एनडीआरएफ की 2 टीम मौजूद है। कंगन के एसडीपीओ ने बताया कि पवित्र अमरनाथ गुफा में लगातार बारिश और बादल फटने की सूचना के मद्देनजर गंड और कंगन के क्षेत्रों में आम जनता से सिंध नदी से दूर रहने का अनुरोध किया गया है, क्योंकि पानी के प्रवाह में अचानक वृद्धि हो सकती है। अमरनाथ गुफा के पास पहले से ही एसडीआरएफ की दो टीमें मौजूद हैं। हालांकि प्रशासन ने एक और अतिरिक्त टीम को मौके पर भेजा है।

स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण के तहत दूसरे चरण में देश में बनेंगे 51 लाख टॉयलेट

» दो लाख गांवों में होगी कचरा प्रबंधन की व्यवस्था करने की योजना

नई दिल्ली (आरएनएस)। मोदी सरकार के स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के पहले चरण का शौच मुक्त (ओडीएफ) गांवों का सपना साकार होता हुआ नजर आ रहा है। अब इस उपलब्धि को बरकरार रखने के लिए दूसरे चरण में देशभर के करीब 51 लाख नए घरेलू शौचालयों का निर्माण किया जाएगा।

बुधवार को केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय में दूसरे चरण में राज्यों की सहायता के लिए तैयार पांच मैनुअल जारी करते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि खुले में शौच मुक्त भारत का जो लक्ष्य हासिल किया गया है, उसे कायम रखना और नए घरों व बढ़ी हुई आबादी के लिए शौचालयों की व्यवस्था करना जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय योजना मंजूरी समिति ने मिशन के दूसरे चरण में 51 लाख घरेलू शौचालयों के अलावा करीब एक लाख सामुदायिक स्वच्छता कॉम्प्लेक्स, करीब दो लाख गांव में ठोस कचरा प्रबंधन योजना, एक लाख 82 हजार गांव में ग्रे-वॉटर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट, करीब 2500 ब्लॉक में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन यूनिट और 386 जिलों में गोबर धन प्रबंधन संयंत्र लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। उन्होंने आगे कहा कि इस योजना के तहत कोशिश है कि रसोई और स्नानघर से निकलने वाला ग्रे-वॉटर रिसाइकिल होने के बाद कृषि या कमर्शियल क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा सके। अगर ऐसा नहीं हो पाता है तो उसका उपयोग भूगर्भ भरण के काम में हो। इसी तरह प्लास्टिक अपशिष्ट और गोबरधन संयंत्र एक बिजनेस मॉडल बने, इस बात पर जोर दिया जा रहा है।

हर ग्रामीण परिवार को 53 हजार का हुआ सालाना फायदा- जलशक्ति मंत्री ने कहा कि लाल किला से जब मोदी ने स्वच्छता और खुले में शौच पर बात की थी, तब लोगों ने ऐसा सोचा भी नहीं था कि हम इतनी जल्दी इतनी व्यापक सफलता हासिल कर सकेंगे। उस समय देश में स्वच्छता का कवरेज 39 फीसदी था लेकिन दो अक्तूबर, 2019 को जब खुले में शौच मुक्त गांव की घोषणा प्रधानमंत्री ने गांधी नगर में की, तब तक 10 करोड़ से अधिक नए शौचालयों का निर्माण करने का श्रेय हासिल किया जा चुका था। उन्होंने कहा कि मिशन के पहले चरण से स्वास्थ्य लाभ और समय की बचत को लेकर एक वैश्विक अध्ययन की रिपोर्ट में यह सामने आया कि हर ग्रामीण परिवार को करीब 53 हजार रुपये का सालाना लाभ इससे हुआ है। मिशन के दूसरे चरण को संपूर्ण स्वच्छता से जोड़ा गया है। केंद्रीय मंत्री ने इस कार्यक्रम में मिशन के दूसरे चरण को भी जनभागीदारी और पांच-पी के सिद्धांत पर चलकर सफल बनाने का आह्वान किया। पांच-पी में राजनीतिक इच्छाशक्ति, सरकार की तरफ से निरंतर खर्च, अनुभवी व विशेषज्ञों की साझेदारी, जनभागदारी और व्यवहार में बदलाव का निरंतर आग्रह करना शामिल है।

करीब 41 हजार करोड़ रुपये होंगे खर्च- राष्ट्रीय समिति ने जिन परियोजनाओं को मंजूरी दी है, उन पर करीब 41 हजार करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है। इसमें केंद्र सरकार 13,982 करोड़ की हिस्सेदारी करेगी जबकि राज्य सरकार का हिस्सा 8332 करोड़ रुपये है। इसके अलावा 15वें वित्त आयोग की तरफ से ग्रामीण स्थानीय निकायों को मिले अनुदान से 12730 करोड़ और मनरेगा से 4138 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। बाकी के 1522 करोड़ रुपये राज्यों द्वारा अन्य स्रोतों से निवेश किए जाएंगे।